स्रोत विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
RNI REG. NO: MPHIN/2007/20200

कार्ल सैगन की गिरफ्तारी

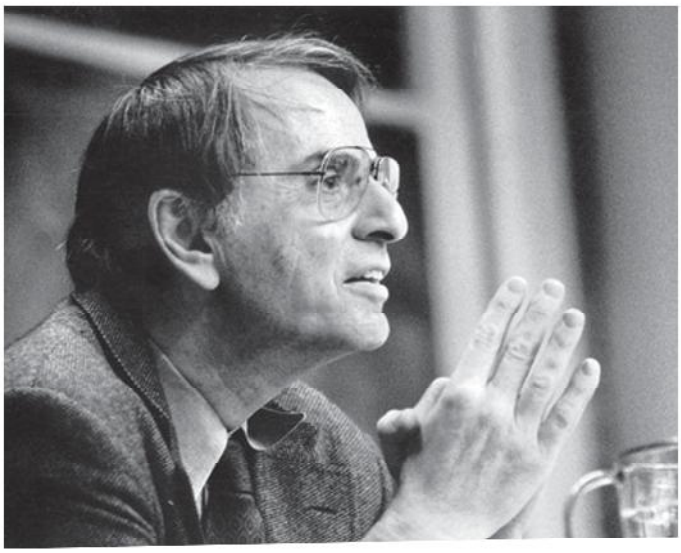

प्रसिद्ध खगोल शास्त्री, खगोल भौतिकविद कार्ल सैगन (1934-1996) ने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने में महती भूमिका निभाई थी। कॉर्नेल विश्वविद्यालय में प्रोफेसर रहे सैगन ने लगभग 600 शोध पत्र और 20 पुस्तकें प्रकाशित की थीं। वे वैज्ञानिक ढंग से शंकालु खोजबीन तथा वैज्ञानिक विधि की पैरवी करते थे। उन्होंने एक्सोबायोलॉजी नामक शाखा की नींव रखी थी और पृथ्वी से परे जीवन की खोजबीन का मार्ग प्रशस्त किया था। एक्सोबायोलॉजी विज्ञान की वह शाखा है जिसमें माना जाता है कि जीवन की उत्पत्ति पृथ्वी पर नहीं बल्कि अंतरिक्ष में हुई है।

सैगन को उनकी लोकप्रिय विज्ञान पुस्तकों के लिए जाना जाता है। सोवियत संघ और संयुक्त राज्य अमरीका के बीच परमाणु युद्ध की आशंका के मद्देनज़र सैगन ने इस विभीषिका का विश्लेषण करते हुए 1983 में एक महत्त्वपूर्ण पर्चा लिखा था जिसमें बताया गया था कि यदि परमाणु युद्ध हुआ तो धरती के आधे मनुष्य तो तत्काल मारे जाएंगे और बाकी आधे कई महीनों तक घुप अंधकार में जीने को मजबूर हो जाएंगे, और भूख से मरेंगे। साइन्स पत्रिका में प्रकाशित कार्ल सैगन के इस पर्चे का शीर्षक थाः 'परमाणु जाड़ाः एकाधिक परमाणु विस्फोट के वैश्विक परिणाम'।

यह शीत युद्ध के समय की बात है। 1985 में सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखैल गोर्बाचेव ने तो परमाणु परीक्षणों पर एकतरफा रोक लगा दी थी मगर अमरीकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रेगन ने ऐसा कुछ भी करने से इन्कार कर दिया था। और तो और, 1983 में रेगन ने स्टार वार्स कार्यक्रम घोषित कर दिया था जिसके चलते परमाणु निरस्त्रीकरण का काम और भी मुश्किल हो चला था।

कार्ल सैगन का उक्त पर्चा अत्यंत प्रभावशाली था मगर रेगन व उनके सलाहकारों ने इसे तवज्जो नहीं दी। इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने और रेगन पर दबाव बनाने के लिए कार्ल सैगन व अन्य 400 से ज़्यादा लोग नेवाडा स्थित अमरीकी परमाणु परीक्षण स्थल पर पहुंचे और वहां लगी बागड़ पर चढ़ गए। इसके चलते उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया जो एक बड़ी खबर बनी, जो सैगन व उनके साथियों का मकसद था। अलबत्ता, रेगन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी थी।

इससे पहले वियतनाम युद्ध के विरोध में सैगन ने अमरीकी वायु सेना के वैज्ञानिक सलाहकार मंडल से इस्तीफा दे दिया था।

प्रकाशक, मुद्रक सी.एन. सुब्रह्मण्यम की ओर से निदेशक एकलव्य फाउण्डेशन द्वारा एकलव्य, ई-10 शंकर नगर, बी.डी.ए. कॉलोनी, शिवाजी नगर, भोपाल - 462016 (म.प्र.) से प्रकाशित तथा आदर्श प्राइवेट लिमिटेड, इंदिरा प्रेस कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर, ज़ोन-1 भोपाल (म.प्र.) 462 011 से मुद्रित। सम्पादकः डॉ. सुशील जोशी